Heading:- 1.5 crore new investors have entered Markets (Interview of Ravi Varanasi, Chief Business Development Officer, NSE	
Source:- Navbharat	**Date:-** 09 August, 2021

Navbharat

मुंबई, 9 अगस्त 2021 | नवभारत

निवेशक हितों की रक्षा के लिए सजग NSE

मार्केट में आए 1.50 करोड़ नए निवेशक

NSE के व्यवसाय विकास प्रमुख रवि वाराणसी से 'नवभारत' की बातचीत

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) आज दुनिया का सबसे बड़ा डेरिवेटिव एक्सचेंज बन चुका है. शेयर बाजार में जोरदार तेजी के बाद नए रिटेल निवेशकों की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है. एनएसई में इक्विटी शेयरों के साथ-साथ डेरिवेटिव, करेंसी, कमोडिटी, ईटीएफ, इनविट सहित कई एसेट क्लास उपलब्ध हैं. जिससे निवेशकों के लिए विविध माध्यमों में निवेश के अवसर उपलब्ध हो रहे हैं. एनएसई वित्तीय साक्षरता और जागरूकता के लिए कई कदम उठा रहा है. एक्सचेंज देश के लघु एवं मझौले उद्यमों यानी SME को भी विकास के लिए आईपीओ के जरिए पूंजी जुटाने में मदद कर रहा है. इन सभी मुद्दों पर एनएसई के मुख्य व्यवसाय विकास अधिकारी रवि वाराणसी से 'नवभारत' के वाणिज्य संपादक विष्णु भारद्वाज की विस्तृत चर्चा हुई. पेश हैं, उसके मुख्य अंश:

पिछले डेढ़ साल में आई तेजी को देख नए खुदरा निवेशकों की संख्या में कई गुना वृद्धि हुई है. इसका क्या कारण हैं और निवेशकों के बीच जागरूकता के लिए एनएसई ने क्या पहल की है?

महामारी की अवधि में बड़ी संख्या में नए खुदरा निवेशकों ने मार्केट में कदम रखा है. जनवरी 2020 से अब तक एक्सचेंज में करीब 1.50 करोड़ नए निवेशकों ने पंजीकरण कराया है. इंटरनेट और मोबाइल-आधारित ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के आगमन और प्रसार के एनएसई के डेरिवेटिव सेगमेंट में इक्विटी डेरिवेटिव्स का बड़ा योगदान है जिसमें निफ्टी 50 इंडेक्स ऑप्शन और बैंक निफ्टी इंडेक्स ऑप्शन कॉन्ट्रैक्ट पिछले कई सालों से शीर्ष रैंक वाले कांट्रैक्ट रहे हैं. महत्वपूर्ण यह है कि डेरिवेटिव कारोबार में जो वृद्धि दर्ज की गयी है, वह हमारे कैश सेगमेंट के अनुरूप ही है. पिछले 10 वर्षों में कैश सेगमेंट में औसत दैनिक कारोबार 5.5 गुना बढ़ा है. जो वित्त वर्ष 2020-21 में 61,839 करोड़ रुपए हो गया है. इसी अवधि के दौरान डेली एफएंडओ

Activate Windows
Go to Settings to activate Windows

चलते भारत की जनता में इक्विटी संस्कृति को बढ़ावा मिला है तथा भारत सहित वैश्विक स्तर पर इक्विटी मार्केट में कोविड उपरांत उछाल आया तो दूसरी तरफ पारंपरिक परिसंपत्ति वर्गों पर ब्याज दरों में कमी हुई, जिसने निवेशकों को विविधीकरण की आवश्यकता महसूस हुई. इन सबके चलते इक्विटी शेयरों के अलावा अन्य खुदरा-उन्मुख उत्पादों जैसे कि एक्सचेंज ट्रेडेड फंड, इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (इनविट), रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (REIT) और सरकारी प्रतिभूतियों में खुदरा निवेशकों की रुचि बढ़ी है, जिसका अनुमान एक्सचेंज पर इन उत्पादों की बढ़ती तरलता देखकर सहज ही लगाया जा सकता है. अब कई राज्यों के शिक्षा बोर्डों तथा विश्वविद्यालयों ने अपने पाठ्यक्रम में वित्तीय साक्षरता को शामिल किया है. एनएसई इन्हें सहयोग कर रहा है. इससे वित्तीय साक्षरता बढ़ रही है. नए निवेशकों के बीच जागरूकता लाने के लिए एक्सचेंज निरंतर प्रयास कर रहा है. निवेशक हितों की रक्षा के लिए एनएसई हमेशा सजग रहा है. एनएसई निवेशकों को शिक्षित कर रहा है और ब्रोकर सदस्यों से प्राप्त धन और शेयर या कमोडिटी के बैलेंस की जानकारी देने के लिए निवेशकों को संदेश भी भेजता है. भेजे जाने वाले साप्ताहिक संदेशों की संख्या 2.5 करोड़ से अधिक होती है.

एनएसई इमर्ज मंच पर कितनी कंपनियां सूचीबद्ध हैं और अब तक कुल कितनी पूंजी जुटाई गई है?

एनएसई के इमर्ज प्लेटफार्म पर अब तक विभिन्न 20 क्षेत्रों की 220 एसएमई कंपनियां सूचीबद्ध है, जिन्होंने इस प्लेटफार्म से 3338 करोड़ रुपए की राशि जुटायी है. अब इनमें से 75 कंपनियों को मुख्य बोर्ड में शिफ्ट कर दिया गया है.

एनएसई लगातार दूसरे वर्ष दुनिया का सबसे बड़ा डेरिवेटिव एक्सचेंज बना है, इस उपलब्धि के क्या कारण हैं?

कारोबार 3.8 गुना बढ़कर 1,21,906 करोड़ रुपए हो गया है. पिछले दो कैलेंडर वर्षों में हमने सभी एसेट क्लास के डेरिवेटिव के विस्तार में बढ़त दर्ज की है और हम लगातार दूसरे वर्ष दुनिया के सबसे बड़े डेरिवेटिव एक्सचेंज के रूप में अपनी श्रेणी बनाए रखने में सफल रहे हैं.

इक्विटी के साथ एक्सचेंज अन्य एसेट क्लास में कौनसे नए उत्पाद पेश कर रहा है?

पिछले कुछ वर्षों के दौरान हमने कई नए उत्पाद पेश किए हैं. करेंसी डेरिवेटिव में एनएसई ने छोटी अवधि वाले यानी साप्ताहिक फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस भी शुरू किए हैं. कमोडिटी डेरिवेटिव सेगमेंट में हमने गोल्ड-सिल्वर, बेस मेटल और एनर्जी जैसे बुलियन उत्पादों पर फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस पेश किए हैं. हाल ही में हमने कृषि जिंसों में अपना पहला डेरिवेटिव उत्पाद 'क्रूड डीगम्ड सोयाबीन ऑयल फ्यूचर्स' भी शुरू किया है. इक्विटी डेरिवेटिव सेगमेंट में हमने हाल ही में निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज इंडेक्स पर डेरिवेटिव पेश किया है. क्योंकि भारतीय अर्थव्यवस्था में वित्तीय सेवाएं महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक रही हैं. हमें उम्मीद है कि अन्य सफल इंडेक्स डेरिवेटिव उत्पादों की तर्ज पर निफ्टी 50 इंडेक्स और निफ्टी बैंक इंडेक्स उत्पाद में तरलता आयेगी.

पिछले कुछ वर्षों में एनएसई ने अपना टेक्नोलॉजी इंफ्रास्ट्रक्चर उन्नत बनाने के लिए कितनी राशि खर्च की है?

एनएसई हमेशा अपने तकनीकी कौशल को मजबूत करने में अग्रसर रहा है और निरंतर अपने टेक्नोलॉजी इंफ्रास्ट्रक्चर में भारी निवेश कर रहा है. पिछले 3-4 वर्षों में टेक्नोलॉजी पर पूंजीगत और परिचालन खर्च लगभग तीन गुना होकर 900 करोड़ रुपए सालाना हो गया है, जिसमें 1500 से अधिक लोगों के मजबूत प्रौद्योगिकी कार्यबल का समावेश है.